International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN :2581-9925(Online), Impact Factor: 7.555, Volume 07, No. 04(I), October - December, 2025, pp. 41-44

भारतीय टेलीकॉम क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तनः एयरटेल की पारंपरिक डीटीएच सेवा से आईपी आधारित स्ट्रीमिंग सेवा की ओर बदलाव का अध्ययन

श्रीमती पूजा सूद[1*] | डॉ मनोज कुमार जैन[2] | डॉ महेन्द्र सिंघई[3]

[1]शोधार्थी, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल एवं सहायक प्राध्यापक, कोपल कॉलेज फॉर एक्सीलेंस, भोपाल, मध्यप्रदेश।
[2]सहायक प्राध्यापक, एम. के. पोण्डा कालेज ऑफ बिजनेस एण्ड मैनेजमेन्ट, भोपाल, मध्यप्रदेश।
[3]प्राध्यापक, इन्सटिट्यूट ऑफ एक्सीलेन्स इन हॉयर एजुकेशन, भोपाल, मध्यप्रदेश।

[*]CorrespondingAuthor: poojasood80.ps@gmail.com

Citation: पूजा सूद, मनोज कुमार जैन, महेन्द्र सिंघई.(2025). भारतीय टेलीकॉम क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तनः एयरटेल की पारंपरिक डीटीएच सेवा से आईपी आधारित स्ट्रीमिंग सेवा की ओर बदलाव का अध्ययन. International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science, 07(04(I)), 41–44.

सार

भारतीय टेलीकॉम क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन एक महत्वपूर्ण आयाम है, यह शोध पत्र एयरटेल की डीटीएच सेवा से आईपी आधारित स्ट्रीमिंग सेवाओं में बदलाव का अध्ययन करता है। पारंपरिक डीटीएच तकनीक अब बाजार में अपनी पकड़ खो रही है इसके स्थान पर आईपी आधारित ओटीटी सेवाएँ अधिक पसंद की जा रही है। यह शोध पत्र विशेष रूप से इस बदलाव के कारणों व तथ्यों का अध्ययन करता है। इस अध्ययन का उद्देश्य ग्राहक के व्यवहार में परिवर्तन, तकनीक में बदलाव व बाजार की प्रतिस्पर्धा को समझना है।

शब्दकोशः *भारतीय टेलीकॉम, डिजिटल परिवर्तन, ओटीटी, डीटीएच तकनीक, स्ट्रीमिंग सेवा।*

प्रस्तावना

भारत देश का टेलीकॉम एवं मीडिया क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान रहा है। विगत दो दशकों में टेलीकॉम एवं मीडिया जगत में बहुत बदलाव हुए है। 2000 के दशक में डीटीएच सेवाओं ने घरेलू मनोरंजन के स्वरुप को बदला था। वहीं 2015 के बाद इंटरनेट आधारित नई तकनीक और सस्ते डाटा पैक ने उपभोक्ता की आदत एवं पसंद को नया आयाम दिया। डीटीएच सेवाए निश्चित चैनलों व निश्चित समय के साथ प्रसारित होती थीं। जबकि आज का ग्राहक अपने समय के अनुरुप चैनलो का चयन एवं उसका प्रसारण चाहता है। यही कारण है कि आईपी आधारित स्ट्रीमिंग सेवाए जिन्हें आम तौर पर ओटीटी प्लेटॅफार्म कहा जाता है, अधिक प्रचलित है। एयरटेल, भारत की अग्रणी टेलीकॉम कंपनियों में से एक है, जो बाजार के इस बदलते स्वरूप का लाभ उठाते हुये एयरटेल एक्सट्रीम जैसे प्लेटफार्म लाकर ग्राहकों को सुविधायें प्रदान कर रही है। इन सुविधाओं में लाइव टीवी, फिल्म, वेबसीरीज, स्पोर्टस चैनल आदि सम्मिलित है। यह परिवर्तन कंपनी की व्यापारिक रणनीती व उपभोक्ता के व्यवहार के अध्ययन से ही संभव हो पाया है। इस बदलाव से भविष्य मे क्या संभावित परिणाम हो सकते है इसका भी अध्ययन इस शोध पत्र में सम्मिलित है।

साहित्य की समीक्षा

साहित्य की समीक्षा अनुसंधानकर्ता को विषय के चयन व इसके अध्ययन में सहयोग करता है। इस शोध पत्र हेतु कुछ जर्नल, रिपोर्ट एवं शोध पत्रों का अध्ययन किया गया है।

[*] *Copyright © 2025 by Author's and Licensed by Inspira. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution License which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work properly cited.*

"International Journal of Digital Media 2021 भारत के टेलीकॉम एवं मीडिया उपभोक्ता, डीटीएच से इंटरनेट आाधरित ओटीओ सेवाओं की ओर बदल रहे है। ग्राहक अब ब्वदजमदज वद क्मउंदकए डनसजप क्मअपबम।बबमे एवं अपनी इच्छानुसार प्रोग्राम देखना चाहते है, जो ओटीटी प्लेटफार्म से ही संभव हो पाया है। यह सारी सुविधाए डीटीएच के द्वारा संभव नही थी। डीटीएच सेट टॉप बाक्स पर आधरित था, जिसमें तकनीकी बाधाओं के कारण ग्राहकों को असुविधा का सामना करना पड़ता था।

"Hamdulay NA & Pode S J 2024 Trend of OTT plateform in India, Shodhkosh, इस शोध पत्र में ओटीटी प्लेटफॉर्म के विकास, उनके फायदे व नुकसान एवं भविष्य की दिशा का विश्लेषण किया गया है। इस शोध पत्र में यह बताया गया है कि ओटीटी एक विलासिता नही है बल्कि दैनिक जीवन का हिस्सा है। भारत में डिज्नी हॉटस्टार, नेटफिल्कस, अमेजन प्राइम में उपभोक्ता की रुचि अधिक है, क्योंकि यह सब उपभोक्ता की मांग व पसंद को प्राथमिकता देते है। यह अध्ययन एयरटेल के डिजिटल परिवर्तन को समझने में सहायक है।

"KPMG MediaAnd Internet Report 2022 यह रिपोर्ट भारतीय मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन तथा उपभोक्ता व्यवहार के बदलाव को दर्शाती है। यह रिपोर्ट यह बताती है कि युवा पीढ़ी का झुकाव ओटीटी की ओर तेजी से बढ़ रहा है। शहरी क्षेत्रों में मोबाईल व स्मार्ट टीवी के कारण ओटीटी का चलन ज्यादा है।

"A Comprehensive study on consumer behavior towards Over-the-Top Platform in India- Poonam SharmaAnd D N Purohit, Journal of East-West 2025 इस शोध में टीवी उपभोक्ता के व्यवहार, उसकी पसंद, चैनलों का चयन व ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भरोसा आदि का विश्लेषण किया गया है। यह अध्ययन ओटीटी की ओर ग्राहकों के झुकाव एवं उसके कारणों को दर्शाता है।

शोध प्रविधि

इस शोध पत्र में शोध की वर्णनात्मक विधि अपनाई गई है। यह शोध पत्र द्वितीयक समंको पर आधारित है, इस हेतु ट्राई की रिपोर्ट, एयरटेल की वार्षिक रिपोर्ट, विभिन्न समाचार पत्रों, अंतराष्ट्रीय शोध पत्रों और जर्नल की जानकारी का उपयोग किया गया है।

इस शोध पत्र में उपर्युक्त जानकारियों का अवलोकन विधि द्वारा अध्ययन किया गया है।

शोध के उद्देश्य

- उपभोक्ता के व्यवहार व पसंद में हुए परिवर्तनों का अध्ययन।
- एयरटेल के तकनीकी परिवर्तन की रणनीति का अध्ययन।
- एयरटेल की डीटीएच सेवाओं एवं आई.पी. अधारित सेवाओं का तुलनात्मक अध्ययन।
- एयरटेल की डीटीएच और आई.पी. आधारित स्ट्रीमिंग सेवाओं के भविष्य की संभावनाओं का आंकलन।

शोध विषय अध्ययन

- **उपभोक्ता के व्यवहार व पसंद में परिवर्तन**
  - उपभोक्ता अपनी इच्छा एवं समय के अनुसार ही टीवी चैनलों का उपयोग करना चाहते है।
  - उपभोक्ता को डीटीएच सेवा में अधिक विकल्प न होने के कारण ओटीटी सेवाओं की आवश्यकता हुई, जिसमें युवा पीढ़ी की रूचि अधिक थी।
  - उपभोक्ता को ओ.टी.टी. में प्रायवेसी और चैनल चयन की अधिक सुविधा है।
  - शहरी क्षेत्रों में स्मार्ट टीवी और मोबाईल फ्रेंडली कन्टेन्ट की मांग अधिक है।
  - एयरटेल की वार्षिक रिपोर्ट 2023–24 के अनुसार डीटीएच का प्रयोग करने वाले ग्राहकों की संख्या माह मार्च 2024 तक 17.63 मिलियन हो गई, जो मार्च 2023 तक 17.47 मिलियन थी।

डीटीएच सुविधा का उपयोग करने वाले ग्राहकों में बहुत मामूली बढोत्तरी हुई, जबकि P.F% में गिरावट आई है। जो यह बताती है कि ग्राहको की डीटीएच में रुचि कम हो रही है, जो व्यवसाय की लाभदायकता के लिये भी अच्छा नही है।

- एयरटेल एक्सट्रीम प्लेटफार्म ने अक्टूबर 2023 तक 5 मिलियन Paid Up Subscriber हासिल किये है।
- भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण TRAI की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार डीटीएच और ओटीटी सब्सक्रिप्शन में काफी अंतर है। 2022 जनवरी से मार्च तिमाही में डीटीएच के सक्रिय ग्राहको का संख्या 72.44 मिलियन थी जो अप्रेल से जून तिमाही में घटकर 52.26 मिलियन हो गई। जबकि भारत में ओटीटी का बाजार 2022 में 20 प्रतिशत से बढ़ा है।
- 2022 में 87 प्रतिशत से ज्यादा लोगों ने मोबाईल में वीडियो व टीवी चैनल को अपने समय व सुविधानुसार देखना पसंद किया।

- **एयरटेल की तकनीकी परिवर्तन की रणनीति**
  - एयरटेल डीटीएच टीवी ने भारत में (2008 से 2015 तक) में डीटीएच सेवाओं से अपनी पहचान बनाई। वह मासिक पैकेज पर ग्राहको को चैनल देखने की सुविधा प्रदान करते थे।
  - 2015 के बाद इन्टरनेट एवं स्मार्ट फोन के प्रसार के कारण उपभोक्ता ऑन डिमाण्ड कंटेट चाहते थे। एयरटेल ने उपभोक्ता एवं बाजार की इस बदलती मांग का अवसर उठाते हुए ओ.टी.टी. और आईपी आधारित सेवाओं की ओर कदम बढ़ाया।
  - एयरटेल एक्सट्रीम प्लेटफार्म की शुरूआत
  - एयरटेल एक्सट्रीम एप (2019) – मोबाईल एवं स्मार्ट टीव्ही पर ओ0टी0टी0 उपलब्ध कराना।
  - एयरटेल एयरटेल एक्सट्रीम बॉक्स – पारंपरिक डीटीएच और इंटरनेट आधारित स्ट्रीमिंग दोनों को एक ही डिवाईस से जोड़ा।
  - एयरटेल ने डाटा और ओ.टी.टी. की सुविधा एकसाथ उपलब्ध कराई। एयरटेल ने मोबाइल और ओ.टी.टी. सब्सक्रिप्शन जैसे ड्ज़नी + हॉटस्टार + अमेज़न प्राइम मुफ्त या रियायती दरों पर देना शुरू किया।
  - एयरटेल में सोनी लिव इरोस के साथ पार्टनरशिप आरंम्भ की।

- **एयरटेल की डीटीएच सेवाओं एवं आई.पी. अधारित सेवाओं का तुलनात्मक अध्ययन**

आधार	डीटीएच सेवाएँ	आईपी आधारित सेवाएँ
अधोसंरचना	सैटेलाइट डिश व सेट–अप बॉक्स	इंटरनेट स्मार्ट डिवाईस
कंटेन्ट	निर्धारित चैनल, समयबद्ध प्रसारण	मांग के अनुसार चैनलों का प्रसारण एवं मल्टी डिवाइस ऑपरेशन
लागत	मसिक शुल्क या प्रत्येक चैनल की निर्धारित कीमत	पैकज में लचीलापन
बाधाएँ	मौसम व तकनीकी बाधाएँ	इंटरनेट स्पीड व डेटा पैक पर निर्भरता

- **एयरटेल की डीटीएच और आई.पी. आधारित स्ट्रीमिंग सेवाओं के भविष्य की संभावनाओं का आंकलन**
  - 5जी सेवाओं के साथ अल्ट्रा एचडी स्ट्रीमिंग, एआर / व्हीआर कंटेन्ट और गेमिंग पर अधिक ध्यान
  - एयरटेल एक्सट्रीम की सेवाओं में एआई तकनीक को जोड़ने का प्रयास
  - ग्रामीण क्षेत्रों में कम लागत वाले डिजिटल पैक लाकर नए ग्राहकों को जोड़ने का प्रयास

प्राप्तियॉं

- उपभोक्ता की पसंद एवं व्यवहार में परिवर्तन से, खासतौर पर युवा पीढ़ी के व्यवहार एवं पसंद के कारण ओटीटी का चलन बढ़ा।
- तकनीकी परिवर्तन तथा इंटरनेट / मोबाईल पर कंटेंट की आसान उपलब्धता के कारण एयरटेल द्वारा प्रतिस्पर्धा हेतु ओटीटी सेवाओं के लिये एयरटेल एक्सट्रीम जैसा प्लेटफार्म लाया गया।
- आईपी आधरित ओटीटी सेवाओं की गुणवत्ता डीटीएच सेवाओं से बेहतर है।
- ओटीटी सेवाओं में एआई तथा एआर / व्हीआर का समावेश, उपभोक्ता के अनुभव को भविष्य में और बेहतर बनायेगा।

सुझाव

- एयरटेल को क्षेत्रीय भाषाओं और स्थानीय कंटेंट पर अधिक ध्यान देना चाहिए।
- ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए सस्ती डेटा योजना उपलब्ध करानी चाहिए।
- अल्ट्रा एचडी और एआर/व्हीआर आधारित कंटेन्ट प्रदान करना चाहिए।

निष्कर्ष

भारतीय टेलीकॉम क्षेत्र में एयरटेल का डीटीएच से ओटीटी सेवाओं की ओर बदलाव सिर्फ तकनीकी रणनीति ही नहीं बल्कि उपभोक्ता केंद्रित रणनीति भी है। उपभोक्ता अपनी सुविधा व रूचि के अनुसार टीवी एवं अन्य डिवाइस पर कंटेंट का व्यक्तिगत अनुभव चाहता है। इसले एयरटेल एक्ट्रीम जैसे प्लेटफार्म ने ग्राहकों को एक साथ पारंपरिक एवं आधुनिक दोनो तरह की सेवाओं का विकल्प दिया है। एयरटेल ने तकनीकी तथा उपभोक्ता केंद्रित रणनीती से टेलिकॉम क्षेत्र में अपना प्रमुख स्थान कायम रखा है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. International Journal of Digital Media 2021. Consumer Preference in OTT Vs DTH Platform :A Study in Indian context, Vol 12, Issue 3.PP.45-62
2. Hamdulay NA & Pode S J 2024 Trend of OTT plateform in India. https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v5i1.2024.1925
3. KPMG MediaAnd Internet Report 2022
4. A Comprehensive study on consumer behavior towards Over-the-Top Platform in India-Poonam SharmaAnd D N Purohit, Journal of East-West 2025
5. TRAI (Telephone RegulatoryAuthority of India) Report 2022
6. Annual Report ofAirtel 2023-24

❑❑❑